१. हृदय का उजाला

– रमाकांत यादव

जलाते हो क्यों तुम दीप स्नेह भर-भर,
अपने दिलों के दीप तो जलाओ ।
सजाते हो तुम सब उजालों से घर क्यों,
अँधेरे हृदय में उजाला तो लाओ ।

कहीं तो दीवाली, कहीं सूनापन है,
कहीं झूमें खुशियाँ कहीं गम ही गम है,
उन दीन-दुखियों के दुख को मिटाओ,
अपने दिलों के दीप तो जलाओ ।

न फुलझड़ियाँ चमकाओ, न फोड़ो पटाखे,
भोजन नहीं जिनके, दे आओ जा के ।
उनके जखमों पर मलहम लगाओ,
अपने दिलों का दीप तो जलाओ ।

जला दीप तुमने अँधेरा मिटाया,
पर क्या किसी भूखे को भोजन कराया ?
उजालों की चाहत कभी न रही जिनकी,
रोटी तुम उनको जाकर खिलाओ ।

पहला ही दीपक बहुत है अँधेरे को,
अनगिन दीप मिल न दिल को सजाते ।
उनके दिलों से पूछो तो जाकर,
जखमों पर स्नेहक जो लगा तक न पाते ।

बुझे दिल में उनके ज्योति जलाओ,
अँधेरे हृदय में उजाला तो लाओ ।

परिचय

जन्म : १९६३, जौनपुर (उ.प्र.)
परिचय : रमाकांत यादव जी हिंदी भाषा के सजग रचनाकार हैं । आपकी रचनाएँ राष्ट्रीयता और नैतिकता के भावों से परिपूर्ण हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : 'हृदय का उजाला', 'यह समय कब तक रहेगा', 'गीत जिंदगी के', 'अपनापन' आदि रचनाएँ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं ।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत गीत में कवि रमाकांत यादव जी ने हमें दीपक जैसा बनने के लिए प्रेरित किया है । आपका मानना है कि त्योहारों, उत्सवों के अवसर पर दिखावा करने की जगह भूखे पेट को भोजन, खुले तन को वस्त्र देना, दीन-दुखियों की सेवा करना अधिक श्रेष्ठ है ।

शब्द वाटिका

गम = दुख
चाहत = अभिलाषा, इच्छा
अनगिन = जो गिना नहीं जाता, असंख्य
स्नेहक = स्नेह का मरहम या लेप

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :–**

(१) रिक्त स्थानों में उचित शब्द लिखो :

१. मिटाना है ------- को ।
२. उजाला लाना है ------- में ।
३. भोजन कराना है ------- को ।
४. ज्योति जलानी है ------- में ।

(२) कविता में आए दीवाली से संबंधित दो शब्द लिखो :

(३) वाक्य के सामने सही अथवा गलत लिखो :

१. कवि ने हमें अपने दिलों के दीप जलाने के लिए कहा है । ☐
२. कवि ने दीन-दुखियों को दुख देने के लिए कहा है । ☐

कल्पना पल्लवन

'दीन-दुखियों का दुख दूर करना चाहिए' विषय पर अपने विचार संक्षेप में लिखो ।

भाषा बिंदु

समानार्थी शब्द लिखो :

दीपक =	आनंद =
हृदय =	घाव =
लाचार =	घर =

उपयोजित लेखन

विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई विविध हस्तकला वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाने एवं विक्री करने हेतु निर्देशानुसार आकर्षक विज्ञापन तैयार करो ।

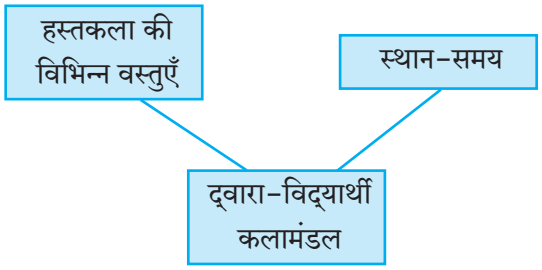

I3LGEU

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन

त्योहार मनाते समय प्रदूषण की रोकथाम हेतु आवश्यक सूचनाओं का चार्ट तैयार करो ।